

May '16							June '16						
M	30	2	9	16	23		6	13	20	27			
T	31	3	10	17	24		7	14	21	28			
W		4	11	18	25		8	15	22	29			
T		5	12	19	26	1	9	16	23	30			
F		6	13	20	27	2	10	17	24				
S		7	14	21	28	3	11	18	25				
S		8	15	22	29	4	12	19	26				

April 2016

120-246

Friday

29

important

30/5/20

13. A. 1200 I (1)

14. hindi 1100

महाराष्ट्र का हिंदी काव्य

510 अरुण कश्यप
रुक्मिणी प्रो. प्रो. प्रो.
हिंदी विभाग
एच. एम. ए. एम. ए. एम. ए.
अहमदाबाद

प्रश्न: — तुमारीदास के वास्तविक काल में
में निहित विशेषताओं का उल्लेख करें
अथवा

तुमारीदास का साहित्यिक काल परिचय
प्रस्तुत करें।

उत्तर: — महाराष्ट्र पर हीरा, हाथ में माला,
औरों पर रामनाम और हृदय में अगाध भक्ति
रखने वाले हलसी पुत्र तुमारीदास का नाम आज
पूरे भारतवर्ष में कौन नहीं जानता है जो
वर्षाव संवत्सरे साहित्य में काव्यदास का
है, अंग्रेजी साहित्य में चंडीदास का है, फारसी
साहित्य में शेरवशादी का है, अंग्रेजी साहित्य
में शेक्सपियर का है तथा मैथिली साहित्य में
विद्यापति का है तुमारीदास की उच्च संस्कृत
हिंदी साहित्य में तुमारीदास का है तुमारी
तो तुमारी महानता की प्रभावित होकर किसीने
तुमारी — तुमारीदास के बाद भारतवर्ष का सबसे
बड़ा लोकनाटक माला है

पर धर्मार्थ यह कि औरों से
और तुमारी जन्म वर्ष, विवाह वर्ष, जन्म
वर्षाव जाति इत्यादि आज भी विवाद का
विषय बना हुआ है। फिर भी ज्यादातर लोग
तुमारी माता का नाम हलसी, पिता का नाम
आत्माराम, अथवा का नाम रामदास,

कमाल। —

April 2016

30

121-245

Saturday

March '16						
1	7	14	21	28		
2	8	15	22	29		
3	9	16	23	30		
4	10	17	24	31		
5	11	18	25			
6	12	19	26			
	13	20	27			

April '16						
4	11	18	25			
5	12	19	26			
6	13	20	27			
7	14	21	28			
8	15	22	29			
9	16	23	30			
10	17	24				

MTWTFSS

Important

रामायणी - कथाशः - 30/5/20

रामायणी का नाम, रचनावाली, जन्मसंस्थान वाजापुर, उत्तराखण्ड की रक्षा करने का नाम रामायणी दासा मानते हैं जो भैरव जी के प्रभावित हैं। इनकी पुस्तकों की रचना की जिसमें पार्वतीमंजरी, जगदीश मंजरी, उग्रतावली, कवितालापी, दोहावली, विजयपत्रिका तथा रामचरित मानस प्रमुख हैं। पर इनमें से रामचरित मानस का अद्वितीय महत्त्व है।

रामायणी दासा ने अपने काव्य में जीवन के विविध पक्षों का चित्रण किया है। मानव-जीवन का कोई रोक-टोक, रुकावट नहीं, जहाँ रामायणी की निगाह न पहुँची है तथा उसका तत्समसाधुपूर्वक चित्रण नहीं किया है। रामचन्द्रदास ने ठीक ही कहा है - "मानव-प्रकृति के जितने पक्षों के बराबर रामायणी जी के हृदय का वाजा (मन) बजाता रहा हम देखते हैं। उग्रता, अधिष्ठाता हिन्दी भाषा के किन्हीं उग्र कवि के हृदय का नहीं।"

01

122-244

Sunday

चरित्रों की विविधता का चित्रण

रामायणी के मानव या पुनर्जात का प्रमुख गुण है। एक और शक्ति, आत्म और बौद्धिक तथा आदर्श की सेवा करने का चरित्र है। रामायणी और रामायणी प्रकृति से चरित्र, वाचन का चरित्र है। एक और लक्षणा का पुनर्जात मानव का चरित्र है। रामायणी और लक्षणा के पुनर्जात का चरित्र है।

कथाशः -

June '16	6	13	20	27
S	1	8	15	22
T	2	9	16	23
W	3	10	17	24
T	4	11	18	25
F	5	12	19	26
S				

July '16	4	11	18	25
S	5	12	19	26
T	6	13	20	27
W	7	14	21	28
T	8	15	22	29
F	9	16	23	30
S	10	17	24	31

May 2016

141-225

Friday

20

Important

(3) अमरी - क्रमशः - 30/5/20

का चरित्र है। पूरे संसार के साहित्य में यह चरित्रों की चरित्र बेजोड़ है। तुलसी के चरित्र अपनी सम्पूर्णता में मिलने बिना है, बस चरित्रों में उतनी ही मानवीय और विविध है।

तुलसी ने अपनी चरित्र के आलोक में कैलक मलय को ही देखा नहीं बनाया बल्कि देवता को भी मानवीय दशात्म पर उतार कर दारि और स्वर्ग के बीच बस बुद्धिमान की रीति में चरित्र का मानवीय चरित्र ही उनके चरित्र का का सबसे बड़ा आकर्षण है। सीता का हमारे ही जाने पर राम नामान्य मानवीय की तरह पशु-पक्षियों की सीता का पता पूछते हैं -

है बलाग मृग है मलय के रीति में सीता देवी सीता मृगनी ॥
मिथिला के चरित्र लाका मृगनी पर भी है अपनी पूर्वपार्श्व की मृगनी की सीता मानवीय की तरह लिखा है -

जैसे उ आकाश को न मृग लाई।
मारी है प्रिय बंधा गिराई।
आपका कांड को 'रामचरित्र मंगल' का हृदय माना गया है। इनकी मानवीय में लही मृगनी प्राप्त है जो कामायनी में लज्जा वर्ग का। इन कांड में राम का चरित्र सबसे अधिक मौलिक दशात्म पर प्रतिक्रिया है।

महाकवि का काव्य अपनी पुरा के साथ-साथ पुरा-पुरा के लिए भी होता है। वर्तमान के साथ-साथ साहित्य के लिए भी होता है।

क्रमशः -